बीमा सखी योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने हरियाणा के पानीपत में भारतीय जीवन बीमा निगम की '**बीमा सखी योजना**' **का शुभारंभ किया।** इस अवसर पर उन्होंने **करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय** के मुख्य परिसर **की आधारशिला भी रखी।**

मुख्य बिंदु

- **बीमा सखी योजना:**
  - यह **18-70 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिये बनाया गया है, जिसका ध्यान** वित्तीय साक्षरता **और बीमा जागरूकता** पर केंद्रित है।
  - इसमें तीन वर्ष का प्रशिक्षण और वजीफा, LIC एजेंट या विकास अधिकारी बनने के अवसर और 2 लाख महिलाओं के लिये रोज़गार सृजन शामिल है।
  - इससे "**सभी के लिये बीमा**" के मिशन को मज़बूती मिलेगी, **सामाजिक सुरक्षा** को बढ़ावा मिलेगा और **गरीबी उन्मूलन** होगा।
- **महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय:**
  - यह 495 एकड़ में विस्तृत है, जिसमें अनुसंधान केंद्र, एक बागवानी महाविद्यालय और पाँच स्कूल हैं।
  - इसका उद्देश्य **फसलों में विविधता लाना और विश्व स्तरीय बागवानी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है।**
- **कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने निम्नलिखित बातों पर भी प्रकाश डाला:**
  - पानीपत से शुरू किये गए **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने** पिछले दशक में हज़ारों बेटियों का जीवन बचाने में योगदान दिया है।
- **महिलाओं के लिये विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें शामिल हैं:**
  - महिलाओं को **बैंक सखी, बीमा सखी और कृषि सखी** के रूप में प्रशिक्षण देना।
  - मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह करना।
  - वित्तीय समावेशन के लिये जन धन योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए , जिससे 30 करोड़ महिलाएँ लाभान्वित होंगी।
  - उन्होंने ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला के रूप में स्वयं सहायता समूहों (SHG) पर ज़ोर दिया, जिनसे 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ जुड़ी हैं।
  - **लखपति दीदी अभियान** जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसके कारण 1.15 करोड़ महिलाएँ प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए से अधिक कमाने में सक्षम हुई हैं।
  - उन्होंने जन धन योजना द्वारा लाए गए परिवर्तन पर प्रकाश डाला, जिससे निम्नलिखित योजनाओं से लाभ का सीधा हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ:
    - **किसान कल्याण निधि**
    - सुकन्या समृद्धि योजना
    - आवास और लघु व्यवसायों के लिये निधि।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

- **परिचय:**
- यह योजना **प्रधानमंत्री द्वारा 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई थी,** जिसका उद्देश्य **बाल लिंग अनुपात (CSR)** में कमी लाना तथा जीवन-चक्र में महिला सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना था।
- यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MW&CD), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय **(MH&FW)** तथा शिक्षा मंत्रालय का **त्रि-मंत्रालयीय प्रयास है।**
- **मुख्य उद्देश्य:**
- लिंग-पक्षपाती लिंग-चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम।
- बालिकाओं के जीवन और संरक्षण को सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं की शिक्षा एवं भागीदारी सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bima-sakhi-yojana-1